ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

ये आध्यात्मिक नियम है... संस्कार से संसार बनता

आप अपने बच्चों के लिए क्या चाहते हैं? आपका बच्चा कैसा होना चाहिए? जाहिर है चाहेंगे कि बच्चे संस्कारी हों। संस्कारी में भी कौन-से होते हैं। कभी-कभी बीच-बीच में रूककर इसकी परिभाषा भी देख लेनी चाहिए। अच्छा बच्चा मतलब क्या, संस्कारी बच्चा मतलब क्या, नेक इंसान मतलब क्या? ये शब्द तो हम बार-बार बोलते हैं लेकिन उसकी परिभाषा क्या है, उसका अर्थ क्या है? हमने कभी बैठकर सोचा नहीं कि संस्कारी मतलब क्या? क्या संस्कारी बच्चे को गुस्सा आना चाहिए? संस्कारी बच्चा अर्थात् आत्मा, जिसका हर संस्कार ऐसा हो जो दूसरों को तो सुख दे लेकिन उसका संस्कार ऐसा हो कि वो आत्मा खुद सदा सुखी रहे। परिस्थिति आए परिस्थिति जाए, मुश्किलें आएं-मुश्किलें जाएं, लेकिन उसका संस्कार हिलना नहीं चाहिए। ये है संस्कारी।

कोई भी चीज़ अगर कभी-कभी होती है तो वो संस्कार नहीं होती है। संस्कार मतलब मेरा स्वभाव। जैसे अगर किसी के अन्दर शक करने का संस्कार है तो सबसे परफेक्ट व्यक्ति भी उसके सामने खड़ा होगा, तब भी वह थोड़ा शक करेगा ही। क्योंकि उसके अंदर शक करने का संस्कार है। किसी के अंदर शांत रहने का संस्कार है। तो किसी के अंदर बिना बात के चिंता करने का संस्कार है। किसी के अंदर बड़ी-बड़ी बातों को एक सेकंड में खत्म करने का संस्कार है। और किसी के अंदर छोटी-छोटी बातों को जीवनभर पकड़कर रखने का संस्कार है। और हम सब वो संस्कार लेकर यहाँ आए हैं। लेकिन हम कहते हैं कि हम बहुत संस्कारी बच्चे हैं। लेकिन अब हमें अपने संस्कारों को थोड़ा और पॉलिश करने की ज़रूरत है। क्योंकि आजकल हम अपने मूल संस्कार भूल चुके हैं। जैसे- हम कहते हैं टेंशन तो होती ही है। मतलब हमने टेंशन को अपना संस्कार स्वीकार किया है। जबकि शांत मुझ आत्मा का संस्कार है। हमारा कौन-सा संस्कार है? शांति या अशांति। अगर शांति मेरा संस्कार है तो मुझे ये नहीं कहना चाहिए कि थोड़े दिन कहीं दूर चलते हैं, मुझे शांति चाहिए। एक मिनट शांति से बैठने दो मतलब सामने वाले से शांति मांग रहे हैं। जबकि शांति मेरा संस्कार है। तो संस्कारी आत्मा अर्थात् जो अपने संस्कारों के साथ जीते हैं। संस्कार तो हैं लेकिन अगर संस्कार के साथ जीते नहीं, उनका समय आने पर इस्तेमाल नहीं किया तो फिर उसको अपना संस्कार नहीं कहा जा सकता।

संस्कारी आत्मा अर्थात् जो अपने संस्कारों के साथ जीते हैं। संस्कार तो हैं लेकिन अगर संस्कार के साथ जीते नहीं, उनका समय आने पर इस्तेमाल नहीं किया तो फिर उसको अपना संस्कार नहीं कहा जा सकता।

अभी एक सेकंड के लिए चेक करते हैं शांति मेरा संस्कार है तो कल का सारा दिन कैसा रहेगा। आजकल रविवार ज़्यादा टेंशन वाला होता है या सोमवार ज़्यादा टेंशन वाला। 4-5 साल पहले भी लोग कहते थे हम शनिवार और रविवार का इंतज़ार करते हैं। फिर अब कहने लगे कि रविवार, सोमवार दोनों ही दिन चिंता परेशानी है। और अब हम कह रहे हैं रविवार, सोमवार से भी ज़्यादा मुश्किल है। सवाल खड़ा हो गया ना हमारे संस्कारों पर। जब कोविड आया और शुरू में लॉकडाउन लगा तो सबने सोचा हम घर बैठेंगे परिवार के साथ फिर हम कहने लगे कोविड क्यों आया। एक महीने के अंदर सबने कहा स्कूल कब खुलेंगे, ऑफिस कब खुलेगा, मुझे वापस जाना है कैसे हम इस घर में ऐसे बंद होकर बैठ सकते हैं।

लॉकडाउन का समय वो था, जब कुछ परिवारों ने अपने बिगड़े हुए रिश्ते बहुत सुंदर बना लिए और कुछ परिवारों ने अलग होने का निर्णय ले लिया। क्योंकि लॉकडाउन में हमें एक-दूसरे के संस्कार दिखाई देने लगे। एक-दूसरे को देखते थे तो कहते थे अच्छा आपमें ये वाली आदत भी है। क्योंकि रोज़ तो उतना मिलना नहीं होता था। संस्कार हमारी सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ है। क्योंकि संस्कार से हमारे मन की स्थिति बनती है। संस्कार से स्वास्थ्य बनता है। सबकुछ तो संस्कार से ही होता है।

आध्यात्मिक नियम है - संस्कार से संसार बनता है। मतलब मेरा संसार, मेरी दुनिया मेरे संस्कारों से बनती है। फिर सृष्टि भी उसी से ही बनती है।

नवाबगंज-गोंडा(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह।

दिल्ली-ओम विहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पुलिस स्टेशन,पोंडा में 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में एसएचओ तुषार व अन्य पुलिस कर्मियों के साथ ब्र.कु. विमला दीदी,सेवाकेन्द्र संचालिका,ओम विहार दिल्ली, ब्र.कु. गीता बहन,पोंडा सेवाकेन्द्र संचालिका, कैप्टन शिव सिंह,नेवी तथा अन्य।

भोजुवीर-वाराणसी(उ.प्र.)। आध्यात्मिक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अजय कृष्णा, श्रीमती अजय कृष्णा, ब्र.कु. वंदना दीदी, ब्र.कु. मीरा बहन व अन्य।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। ब्र.कु. श्वेता बहन व ब्र.कु. करुणा बहन के दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन। साथ हैं नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, समर्पित होने वाली बहनें व अन्य। कार्यक्रम में व्यापारी अमित गौतम, रामबाग के उपप्रधानाचार्य योगेन्द्र वार्ष्णेय, पीएनबी के पूर्व प्रबंधक राकेश अग्रवाल, ब्र.कु. हेमलता दीदी,इगलास, ब्र.कु. मीना बहन,रामपुर, ब्र.कु. दुर्गेश बहन, ब्र.कु. नीतू बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

नई दिल्ली-ग्रेटर कैलाश। दीपावली के शुभ अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान व उनकी धर्मपत्नी अनुपमा चौहान से मुलाकात कर ज्ञानचर्चा के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. संगीता बहन एवं ब्र.कु. मनोज भाई।

शीतलपुर-चकिया(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय विश्व नवनिर्माण आध्यात्मिक प्रदर्शनी एवं प्रवचनमाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए जिला पार्षद निर्जला देवी, ब्र.कु. मनोरमा बहन, ब्र.कु. अशोक वर्मा, ब्र.कु. रिंकू, ब्र.कु. उषा तथा अन्य।

नगर-डीग(राज.)। आचार्य श्री कन्हैयालाल शास्त्री जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. हीरा बहन।

कुराली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से शहर में एनएमबीए बस द्वारा नशा मुक्ति केंद्र व अनेक कम्पनियों में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सभी को नशे के प्रति जागरुक किया गया और राजयोग का अभ्यास कराया गया।

नया मुरादाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित दीपावली एवं योग भट्ठी कार्यक्रम में मेरठ ज़ोन प्रभारी ब्र.कु. आशा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. सुजाता दीदी तथा 200 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org